भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 121

उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 01 दिसंबर, 2025

10 अग्रहायण, 1947 (शक)

शिरडी में प्राचीन धार्मिक स्थलों का संरक्षण और रखरखाव

121. श्री भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या महाराष्ट्र राज्य के शिरडी लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के संगमनेर तालुका के ढंदरफल में ऋषि का आश्रम, रामेश्वर देवस्थान श्रीक्षेत्र रामेश्वर नामक तीर्थ स्थल बहुत प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्थान है तथा बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है;

(ख) क्या सरकार ने इन अति प्राचीन धार्मिक स्मारकों एवं अन्य ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण एवं रख-रखाव के लिए कोई कार्य योजना बनाई है/बनाने का प्रस्ताव है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस उद्देश्य के लिए अब तक आवंटित/आवंटित किए जाने वाली प्रस्तावित निधि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): तीर्थ स्थल रामेश्वर देवस्थान श्री क्षेत्र रामेश्वर, महाराष्ट्र में शिरडी लोकसभा क्षेत्र के संगमनेर तालुका के धंदरफल में तपस्वी धौम्य ऋषि का आश्रम न तो भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और न ही पुरातत्व और संग्रहालय निदेशालय, महाराष्ट्र सरकार के अतंर्गत एक संरक्षित स्मारक है। इसके अलावा, इसमें प्राचीन गर्भ-गृह के अवशेष हैं और छत एवं शेष भाग को एक आधुनिक संरचना के रूप में पुनर्निर्मित किया गया है।

(ख) और (ग): उक्त संरचनाओं के परिरक्षण और अनुरक्षण के लिए कोई कार्य योजना तैयार/प्रस्तावित नहीं की गई है।

(घ): प्रश्न नहीं उठता।

*****